डायबिटीज में उपयोगी उपकरण

इंसुलिन सीरिंज :– आजकल बहुत बढ़िया गुणवत्ता वाली इंसुलिन सीरिंज भारत में उपलब्ध है जैसे कि G-30 या G-31 माप की। इनकी सुईयों से लगभग दर्द रहित इंसुलिन लगाया जा सकता है। सदैव इस प्राकर की सीरिंज काम में लें जिसमें सुई (निडल) अलग से ना लगानी पड़े सीरिंज पर अंक स्पष्ट दिखाई देना चाहिये।

जैट इजैक्टर :– जिन्हें सुई से अधिक भय लगता है, विशेषकर बच्चे उनके लिये ये काफी उपयोगी हो सकता है। इसमें सुई नहीं होती है। इंसुलिन लगाने का एक सुईरहित उपाय है। अत्यंत मँहगा होने से यह भारत में प्रचलित नहीं है।

लैन सेट एवं प्रिकर– प्रिकर एक प्रकार का यंत्र है जिसमें लगी सुई के समान लैनसेट से रक्त की एक बूँद आसानी से कम दर्द द्वारा निकली जा सकती है। इसमें लगी स्प्रिंग के प्रभाव से दर्द नहीं के बराबर होता है। घर पर जाँच करने के लिये लोग इनका उपयोग करते हैं।

ग्लोकोमीटर – मोबाईल के आकार का या उपकरण मोबाइल के समान बाजार में लगातार सस्ता होता जा रहा है। आज विभिन्न अच्छे ब्राँड वाले मीटर लगभग 1200/– से 2500/– में आसानी से उपलब्ध हैं। मीटर द्वारा घर पर या कहीं भी आसानी से रक्त की बूँद के चौथे हिस्से से कुछ क्षणों में ही ग्लूकोज की मात्रा पता चल जाती है। छुट्टी वाले दिन त्योहार के दिन जब लैब बन्द है या इमरजैन्सी में यह उपकरण अत्यंत उपयोगी है। डायबिटीज के प्रत्येक रोगी के पास यह हो तो मोनीटरिंग स्वयं मरीज तथा डॉक्टर दोनों के लिये आसान हो जाती है। इसमें प्रयोग होने

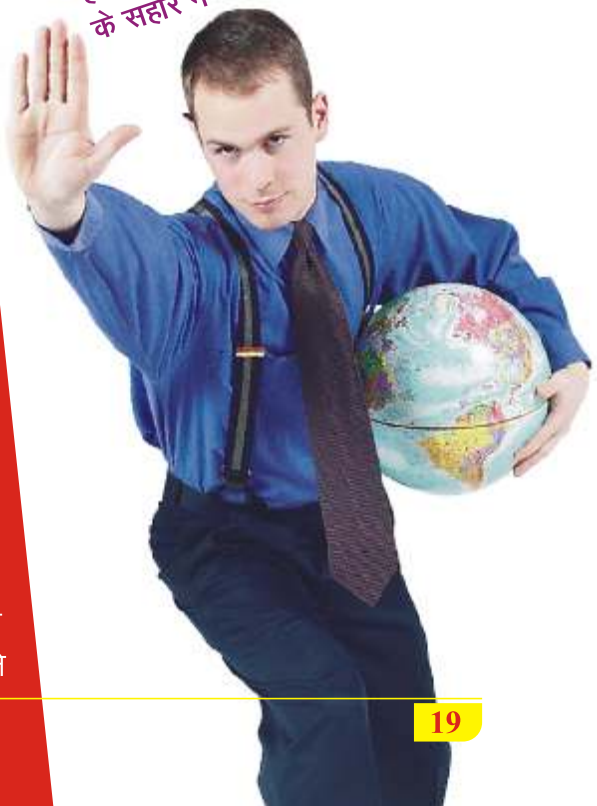

वाली पट्टी लगभग 25/– की आती है, यानि एक बार जाँच करने की कीमत लगभग 25/– पड़ती है। यह बैटरी से चलता है। मीटर सदैव विश्वसनीय स्टोर या व्यक्ति से ही लें जो भविष्य में मीटर में खराबी आने पर आपकी मदद कर सके या मीटर बदलवा सके। बेहतर है कि आप अपने चिकित्सक की सलाह लें।

सेफ क्लिप डिवाइस :– अपने काम में लेने के पश्चात सीरिंज को नष्ट कर के ही फैंकना चाहिये, क्योंकि कई बाद इन सीरिजों को साफ कर पुनः प्रयोग में लेने का अंदेशा रहता है। इससे गंभीर संक्रामक रोग हो सकते हैं। सेफ क्लिप डिवाइस एक छोटा उपकरण है जिसमें सुई या सीरिंज आसानी से नष्ट हो जाती है। साबुत फैकी गई सीरिंज या सुई किसी व्यक्ति को चुभ भी सकती है।

इंसुलिन पैन :– यह एक पैन के आकार का उपकरण है जिसके द्वारा इंसुलिन लगाना बहुत आसान हो जाता है। इसमें इंसुलिन से भरी रीफिल या कार्टरिज होती है तथा बटन दबाने से वांछित इंसुलिन बहुत बारिक सुई द्वारा दर्द रहित तरीके से लगाया जा सकता है। इसमें 300 युनिट इंसुलिन की भरी होती है अतः बार–बार इंसुलिन भरने की आवश्यकता नहीं होती है। इसे आसानी से जेब अथवा पर्स में रखकर ले जाया जा सकता है। इसे कुछ दिनों तक फ्रिज के बाहर सुरक्षित रखा जा सकता है। इसमें कोई बैटरी नहीं लगती है, इसकी कीमत लगभग 600–700रू. है।

इंसुलिन पंप :– कई बार सारे प्रयास करने के बाद भी जब रक्त ग्लूकोस नियंत्रित न हो रह हो तो इंसुलिन पंप मद्दगार हो सकता है। यह एक प्रकार का कृत्रिम पैनक्रियास है। मोबाइल से भी छोटे आकार का यह कम्प्यूटर नुमा यंत्र अपनी छोटी सी मोटर से अतिसुक्ष्म मात्रा में निरन्तर 24 घंटे, इंसुलिन शरीर में भेजता रहता है। जब भी ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता हो (जैसा की भोजन के समय) तो यह मात्र एक बटन दबाने से वांछित मात्रा में इंसुलिन तुरंत प्रवाहित कर देता है। भारत में यह कीमती होने की वजह से प्रचलित नहीं है। बच्चों में इसकी उपयोगिता काफी सहायक हो सकती है। इसकी कीमत 70 हजार से ढाई लाख रू. तक है।

– डॉ. वर्षा लोढ़ा, जयपुर